Department of Higher Education
Govt. of Uttarakhand

DEVBHOOMI UDYAMITA YOJANA

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

DUY – Media Coverage of CoE and Seed Fund Award

PRINT MEDIA COVERAGE

10 higher education institutes selected for centre of excellence to promote entrepreneurship: Rawat

PNS ■ DEHRADUN

The Education minister Dhan Singh Rawat said that 10 higher educational institutions in the State have been chosen as centres of excellence under the Devbhoomi Udyamita Yojana (DUY) overseen by the Higher Education department with the objective of fostering entrepreneurship. Rawat emphasised the State government's dedication to training and educating the youth with technical and soft skills. In response to the commitment, the DUY collaborated with the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad, within the Higher Education department framework.

Its primary objective is to equip young individuals pursuing higher education with entrepreneurship skills and self-employment opportunities. He further said the government has designated 10 higher education institutions within the State as centres of excellence under the programme. These centres will serve as focal points in key sectors such as agri-food processing, AYUSH and wellness, tourism, logistics and supply chain management, biotechnology, educational technology and women entrepreneurship.

The identified higher education institutions selected as centre of excellence consist of government post graduate colleges in Ranikhet, Tanakpur, New Tehri, Rudrapur, Uttarkashi, Haldwani and government technical college Paithani, as well as the Rishikesh campus of Sri Dev Suman Uttarakhand University, Pithoragarh campus of Soban Singh Jeena University and Doon University campus.

The Education minister further mentioned that the goal of these centres of excellence is to foster the establishment of 100 start ups within the State over the next five years. He expressed optimism that these centres will play a crucial role in generating employment opportunities, promoting start ups and cultivating entrepreneurial spirit in the State.

IDFC FIRST Bank

(Formerly IDFC Bank Limited)

CIN : L65110TN2014PLC097792

Registered Office: KRM Towers, 8th

E-Auction Sale Notice for Sale of Immo

Security Interest (Enforcement) Rules, 2

Notice is hereby given to the public in gene

the Secured Creditor, the possession of w

described hereunder, for the recovery of

please refer to the link provided on IDFC F

S. NO	(I) Demand Notice Amount	(I) Agreementid
1	INR 3070608.77/- Demand Notice dated: 15-Jan-2020	20994148 & 10494927

Disclaimer: Please note that the said notic

Date: 14.06.2024 Place: DEHRADUN

NAVODAYA TIMES
नवोदय टाइम्स
देहरादून • शुक्रवार • 14 जून, 2024

राज्य के दस उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

- अगले पांच साल में राज्य में सौ स्टार्टअप निर्माण का लक्ष्य
- योजना को धरातल पर उतारने में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की ली जाएगी मदद
- शिक्षा मंत्री ने कहा, उद्यमिता विकास में मील का पत्थर साबित होंगे उत्कृष्टता केंद्र

देहरादून, 13 जून (नवोदय टाइम्स): उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत राज्य के दस उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए चुना गया है। इन शिक्षण संस्थानों में राज्य विश्वविद्यालयों के परिसर व विभिन्न राजकीय महाविद्यालय शामिल हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से ये शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के उन युवा उद्यमियों के लिए वरदान साबित होंगे, जो स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के क्षेत्र में हट कर काम करना चाहते हैं। इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से प्रदेश में अगले पांच साल में सौ स्टार्टअप के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति—2020 के अनुरूप राज्य के युवाओं को तकनीकी एवं सॉफ्ट स्किल्स के साथ प्रशिक्षित एवं शिक्षित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में उच्च विभाग के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) का संचालन किया जा रहा है। जिसका मकसद उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं को उद्यमशीलता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

शिक्षा मंत्री डा. रावत ने बताया कि योजना के तहत सरकार ने राज्य के दस उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर चुना है जो एग्री-फूड प्रोसेसिंग, आयुष एंड वेलनेस, टूरिज्म, लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, बायोटेक्नोलॉजी, एजुकेशन टेक एवं महिला उद्यमिता सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक हब के रूप में काम करेंगे। इन चयनित उच्च शिक्षण सस्थानों में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत, टनकपुर, नई टिहरी, रूद्रपुर, उत्तरकाशी, हल्द्वानी एवं राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी सहित श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का ऋषिकेश परिसर, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का पिथौरागढ़ परिसर व दून विश्वविद्यालय परिसर शामिल है। विभागीय मंत्री ने बताया कि इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से अगले पांच साल में राज्य में सौ स्टार्टअप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा मंत्री के मुताबिक राज्य में रोजगार के अवसर उपलब्ध करने, स्टार्टअप तैयार करने व युवाओं में उद्यमिता की भावना को विकसित करने में ये सेंटर आफ एक्सलेंस मील का पत्थर साबित होंगे।

चयनित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मिलेगी पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता

सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली के मुताबिक चयनित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को आर्थिक सहायता के तौर पर पांच लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। बताया कि सभी सेंटरों को अपने आस-पास के कॉलेजों में कम से कम पांच स्पोक बनाना होगा। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त संस्थान नए स्टार्टअप्स को फंडिंग और अन्य सहायता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेंगे। इन संस्थानों के माध्यम से छात्रों को अगले पांच साल में 25 पेटेंट/कॉपीराइट दाखिल करने में मदद करने का भी लक्ष्य रखा गया है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में 50 व्यवसाय और स्टार्टअप सलाहकारों का एक समूह बनाएंगे।

my city
देहरादून | शुक्रवार • 14.06.2024
अमर उजाला
02
amarujala.com/dehradun

10 कॉलेज बने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

शासन ने दी मंजूरी : देवभूमि उद्यमिता योजना के इन्क्यूबेशन सेंटर के तौर पर करेंगे काम

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उच्च शिक्षा विभाग ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रदेश के 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए चुना है। इन शिक्षण संस्थानों में राज्य विश्वविद्यालयों के परिसर और राजकीय महाविद्यालय शामिल हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से ये शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के उन युवा उद्यमियों के लिए वरदान साबित होंगे। जो स्टार्ट-अप व उद्यमिता के क्षेत्र में हट कर काम करना चाहते हैं।

सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को तकनीकी एवं सॉफ्ट स्किल्स के साथ प्रशिक्षित एवं शिक्षित करने के लिए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) का संचालन किया जा रहा है। बताया कि योजना के तहत 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर चुना गया है। जो एग्री-फूड प्रोसेसिंग, आयुष एंड वेलनेस, टूरिज्म, लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चेन मैंनेजमेंट,

युवाओं को पढ़ाई के साथ उद्यमिता भी सिखाएंगे

बायोटेक्नोलॉजी, एजुकेशन टेक एवं महिला उद्यमिता सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक हब के रूप में काम करेंगे। चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत, टनकपुर, नई टिहरी, रुद्रपुर, उत्तरकाशी, हल्द्वानी एवं राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी सहित श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का ऋषिकेश परिसर, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का पिथौरागढ़ परिसर और दून विश्वविद्यालय परिसर शामिल है। विभागीय मंत्री ने बताया कि इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से अगले पांच वर्षों में प्रदेशभर में 100 स्टार्टअप्स विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये सेंटर आफ एक्सीलेंस मील का पत्थर साबित होंगे।

देवभूमि उद्यमिता योजना के दस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने में इससे काफी मदद मिलेगी।

हर संस्थान को मिलेंगे पांच लाख रुपये

सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। चयनित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को आर्थिक सहायता के तौर पर पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। बताया कि प्रत्येक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अपने आस-पास के कॉलेजों में कम से कम पांच स्पोक बनाएंगे। संसाधनों के आपसी उपयोग के माध्यम से उद्यमिता विकास में सहायक बनेंगे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त संस्थान नए स्टार्टअप्स को फंडिंग और अन्य सहायता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों के माध्यम से छात्रों को अगले पांच वर्षों में 25 पेटेंट, कॉपीराइट दाखिल करने में मदद करने का भी लक्ष्य रखा गया है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में 50 व्यवसाय और स्टार्टअप सलाहकारों का एक समूह बनाएंगे। प्राथमिक चरण प्राप्त कर चुके स्टार्ट-अप और मौजूदा उद्यमों के लिए बाजार संपर्क को भी सुगम बनाएंगे।

अपना प्रदेश

देहरादून। शुक्रवार • 14 जून • 2024

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

प्रदेश के 10 उच्च शैक्षणिक संस्थानों को सेंटर आफ एक्सीलेंस का दर्जा

■ उद्यमिता विकास में मील का पत्थर बनेंगे उत्कृष्टता केंद्र : डॉ. धन सिंह

■ पांच सालों में उच्च शिक्षण संस्थानों से 100 स्टार्टअप निर्माण का लक्ष्य

देहरादून(एसएनबी)। प्रदेश सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रदेश में राजधानी के दून विश्वविद्यालय सहित 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को उच्च शिक्षा विभाग ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्रदान दिया है। इस संबंध में शासन द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से यह शैक्षणिक परिसर विद्यार्थियों और अपने आस-पास के क्षेत्रों के उन युवा उद्यमियों के लिए वरदान साबित होंगे जो स्टार्ट-अप और उद्यमिता के क्षेत्र में कुछ नया करना चाहते हैं। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में उद्यमिता की भावना को विकसित करने और स्टार्टअप, उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा देने में यह सेंटर आफ एक्सलेंस मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षो में सेंटर आफ एक्सीलेंस के माध्यम से 100 स्टार्टअप्स निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। रावत ने आशा जताई कि प्रदेश में विकसित किए जा रहे सेंटर आफ एक्सलेंस उत्साही युवाओं को अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में स्टार्ट्प स्थापित करने में बहुत मदार साबित होंगे और अब उन्हें इसके लिए प्रदेश से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

यह हैं दस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

स्व.जय दत्तवालिया राजकीय पीजी कॉलेज रानीखेत, राजकीय पीजी कॉलेज. टनकपुर, पं.एलएमएस परिसर श्रीदेव सुमन विवि ऋषिकेश, दून विश्वविद्यालय, एमबी राजकीय पीजी कॉलेज हल्द्वानी, राजकीय व्यवसायिक कॉलेज बनास पैठाणी, एलएसएम परिसर पिथौरागढ़ एसएस जीना विवि, राजकीय पीजी कॉलेज नई टिहरी, एसबीएस राजकीय पीजी कॉलेज रुद्रपुर, राजकीय राजकीय पीजी कॉलेज उत्तरकाशी

पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हर साल प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में से 10 संस्थानों को सेंटर आफ एक्सलेंस बनाये जाने की योजना है। चयनित किए गए सेंटर आफ एक्सीलेंस को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सेंटर अफ एक्सीलेंस, पर्यटन, महिला उद्यमिता, आयुष और कल्याण आदि जैसे कार्यात्मक क्षेत्रों के लिए एक हब के रूप में कार्य करेगा और पड़ोसी कलेजों में कम से कम पांच स्पोक बनाएगा और संसाधनों के आपसी उपयोग के माध्यम से उद्यमिता विकास में सहायक बनेगा।

पहाड़ी राज्य में उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा : डा. शुक्ला

महानिदेशक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद डॉ.सुनील शुक्ला ने इस पहल के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि 10 उच्च शिक्षण संस्थानों की पहली सूची जारी कर दी गई है। इससे पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में उद्यमिता को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलेगी। उत्कृष्टता केंद्र निस्संदेह इस क्षेत्र में युवा उद्यमियों को बढ़ावा देने और उनका समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कार्यात्मक व्यवसायिक क्षेत्रों के माध्यम से उद्यमिता की भावना को विकसित करने और देवभूमि उद्यमिता योजना और समावेशी उद्यमिता विकास को प्रभावी ढंग से लागू करने का काम करेंगे। इसके साथ ही इनसे अभिनव व्यवसाय निर्माण, मूल्यों और आकांक्षाओं के लिए एक संस्कृति विकसित करने में मदद मिलेगी।

सेंटर आफ एक्सीलेंस बनेंगे 10 उच्च शिक्षण संस्थान

पांच वर्षों में 100 स्टार्टअप निर्माण का लक्ष्य, चयनित सेंटर आफ एक्सीलेंस को मिलेगी पांच लाख की सहायता

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून : देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत दून विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के कुल 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर आफ एक्सीलेंस के लिए चुना गया है। शासन ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सेंटर आफ एक्सीलेंस बनने से राज्य विश्वविद्यालयों के परिसर और राजकीय महाविद्यालय विद्यार्थियों और अपने आस-पास के क्षेत्रों के युवा उद्यमियों के लिए वरदान साबित होंगे। उन्हें स्टार्ट-अप और उद्यमिता के क्षेत्र में नया करने का अवसर मिलेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डा धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में उद्यमिता की भावना को विकसित करने और स्टार्टअप, उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा देने में ये सेंटर आफ एक्सीलेंस मील का पत्थर साबित होंगे। अगले पांच वर्षों में इनके माध्यम से 100 स्टार्टअप निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। चयनित किए गए सेंटर आफ एक्सीलेंस को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रत्येक सेंटर पर्यटन, महिला उद्यमिता, आयुष और कल्याण जैसे कार्यात्मक क्षेत्रों के लिए एक हब के रूप में कार्य करेगा। निकटस्थ महाविद्यालयों में कम से कम 5 स्पोक बनाएगा और संसाधनों के आपसी उपयोग के माध्यम से उद्यमिता विकास में सहायक बनेगा।

ये सेंटर स्टार्ट-अप की फंडिंग के लिए सरकार और निजी क्षेत्र से वित्तीय सहायता लाने में भी मदद करेंगे। **पांच वर्षों में 25 पेटेंट का लक्ष्य:** उन्होंने बताया कि छात्रों को अगले पांच वर्षों में 25 पेटेंट या कापीराइट दाखिल करने में सहायता करने का लक्ष्य भी रखा गया है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ये सेंटर आफ एक्सीलेंस विभिन्न क्षेत्रों पर्यटन, महिला उद्यमिता, आयुष और कल्याण, में 50 व्यवसाय और स्टार्टअप सलाहकारों का एक समूह भी बनाएंगे। प्राथमिक चरण पूरा कर चुके स्टार्ट-अप और मौजूदा उद्यमों के लिए बाजार संपर्क को सुगम भी बनाएंगे।

ये हैं सेंटर आफ एक्सीलेंस के लिए चयनित उच्च शिक्षण संस्थान और उद्यमिता के क्षेत्र

संस्थान	उद्यमिता का क्षेत्र
राजकीय पीजी कालेज रानीखेत	कृषि-खाद्य प्रसंस्करण
राजकीय पीजी कालेज टनकपुर	आयुष और वेलनेस
श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय ऋषिकेश परिसर	पर्यटन
दून विश्वविद्यालय	लाजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट
एमबी पीजी कालेज, हल्द्वानी	बायोटेक्नोलाजी
राजकीय व्यावसायिक कालेज पैठाणी	शिक्षा तकनीक
एसएस जीना विश्वविद्यालय, पिथौरागढ़ परिसर	महिला उद्यमिता
राजकीय पीजी कालेज नई टिहरी	जैविक खेती और जैविक उत्पाद
राजकीय पीजी कालेज रुद्रपुर	खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण
राजकीय पीजी कालेज उत्तरकाशी	कृषि-खाद्य प्रसंस्करण

कार्यालय जिला पूर्ति अधिकारी,
एडाक-461/जि0पू0अ0-डोर स्टेप-निविदा/2024-25
निविदा सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2024-25 डोर

दून विवि समेत 10 संस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे

देहरादून, विशेष संवाददाता। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत दून विवि सहित राज्य के दस विवि, विवि कैंपस-कॉलेज को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार हर साल दस-दस संस्थानों को इसी प्रकार विकसित करेगी।

गुरुवार को सरकार ने दस शैक्षिक संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के आदेश कर दिए। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि इसके माध्यम से प्रदेश में अगले पांच वर्षों में 100 स्टार्टअप के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया। प्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध करने, स्टार्टअप तैयार करने एवं युवाओं में उद्यमिता की भावना को विकसित करने में यह सेंटर मील का पत्थर साबित होंगे। चयनित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को आर्थिक सहायता के तौर पर पांच लाख दिये जायेंगे। दूसरी तरफ, उत्तराखंड सरकार के इस फैसले का भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने स्वागत किया।

उत्तराखंड में यह होंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

- देहरादून- श्रीदेवसुमन विवि का ऋषिकेश स्थित पंडित एलएमएस कैंपस और दून विश्वविद्यालय
- अल्मोड़ा- रानीखेत एसएसजेडीड़ब्लू पीजी कॉलेज,
- चंपावत- टनकपुर पीजी कॉलेज
- नैनीताल-हल्द्वानी एमबी पीजी कॉलेज
- पौड़ी-बांस राजकीय प्रोफेशनल कॉलेज पैठानी
- टिहरी-टिहरी पीजी कॉलेज
- यूएसनगर-रुद्रपुर एसबीएस पीजी
- उत्तरकाशी- आरसीयू पीजी कॉलेज

डिग्री कालेजों में उद्यमिता पर पाठ्यक्रम जुलाई से होगा शुरू

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों में आगामी जुलाई माह से उद्यमिता पर दो क्रेडिट का एक पाठ्यक्रम शुरू होगा। उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने इस पाठ्यक्रम का लाभ छात्र-छात्राओं को दिलाने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही उन्हें सभी विद्यार्थियों के उद्यम विकास के लिए मार्गदर्शन और कार्यशाला तय करने को भी कहा गया है। विभागीय सचिव ने देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत स्टार्टअप सीडफंड के लिए आवेदन करने वाले छात्रों से लगभग डेढ़ घंटा चर्चा की।

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने राज्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संचालित की जा रही देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत छात्र उद्यमियों को दिए जा रहे सहयोग की प्रगति जानने की मंगलवार बैठक की। उन्होंने छात्र उद्यमियों से

- उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने स्टार्टअप सीडफंड के लिए आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं से की चर्चा
- 20 स्टार्टअप टीम को सीडफंड के अंतर्गत दिए जाएंगे 75 हजार रुपये, विभागीय अधिकारी भी करेंगे सहयोग

बातचीत में स्टार्टअप को लेकर उनकी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी ली। छात्रों ने अपने प्रस्तावित योजनाओं की उपयोगिता और महत्व के बारे में भी बताया। देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट उद्यमिता विचार वाले चयनित छात्रों को स्टार्टअप सीडफंड प्रदान किया जाएगा। विभागीय सचिव ने युवा उद्यमियों को आश्वस्त किया कि उच्च शिक्षा विभाग लगातार उनकी मदद में हर तरीके से उनके साथ है। उन्हें असफल होने से डरना नहीं है। स्टार्टअप की दुनिया में असफल होना भी एक उपलब्धि है। यह आपके जीवन में सीखने की क्षमता को मजबूत बनाता है। उन्होंने निर्धारित अंतराल पर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उच्च शिक्षा महानिदेशक डा दीपक पांडेय ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना में प्रदेश से 20 स्टार्टअप टीम को सीडफंड के अंतर्गत 75 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। चयनित को संतुष्ट करने के लिए पैटेंट फाइल करने में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में योजना के तकनीकी सलाहकार पीयूष राय, उद्यमिता विशेषज्ञ डा सुमित कुमार, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के परियोजना अधिकारी अमरेश कुमार उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना संचालित कर रही है।

युवा उद्यमी तैयार करेंगे 20 सेंटर आफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में अध्यापकगण छात्र उद्यमिता विकास में नया आयाम स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के माध्यम से इन छात्रों को युवा उद्यमी बनाने और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने के लिए आयुष, खाद्य प्रसंस्करण, होमस्टे, ग्रीन जॉब, बैंबिक उत्पाद व पुष्प प्रौद्योगिकी समेत 20 क्षेत्रों में सेंटर आफ एक्सीलेंस तैयार किए जाएंगे। इनके माध्यम से इनमें उद्यम और व्यवसाय शुरू करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रदेश की नर्सरी व्यवस्था को मजबूत पांच वर्षों में दोगुना करने के सरकार के संकल्प को धरातल पर उतारने में राजकीय महाविद्यालयों में तैयार किए जा रहा उद्यमिता का परिस्थितिकी तंत्र बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार और पांच वर्ष में 50 हजार विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रशिक्षक करने का लक्ष्य रखा गया है। उच्च शिक्षा विभाग ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से प्रदेश में देवभूमि उद्यमिता योजना प्रारंभ की है। इसके अंतर्गत 125 देवभूमि उद्यमिता केंद्रों की स्थापना राजकीय महाविद्यालयों में की जा चुकी है।

अगले कुछ माह में 10 नवाचार को कराएंगे पेटेंट

उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने बताया कि युवा उद्यमी के रूप में तैयार जा रहे छात्रों के नवाचार को पेटेंट भी कराया जाएगा। इसके लिए भी उन्हें सहायता दिया जाएगा। अगले कुछ माह में पांच 10 नवाचार को पेटेंट कराने की तैयारी की है। प्रदेश में अपने खाते वर्षों में देवभूमि उद्यमिता योजना के माध्यम से युवा उद्यमियों की नई पौध तैयार होने जा रही है।

प्रोफेशनल बनाने का प्रयास को मिलेगा प्रशिक्षण : संस्थान की सहायता से अब तक छात्र-छात्राओं का व्यावसायिक कौशल बढ़ाने और उद्यमिता में रुचि उत्पन्न करने की प्रक्रिया 20 से अधिक पूरा किया जा चुके हैं।

6 वीर अर्जुन, देहरादून , 14 जून , 2024

10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सलेंस का दर्जा

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रदेश के 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिये चुना गया है। इन शिक्षण संस्थानों में राज्य विश्वविद्यालयों के परिसर व विभिन्न राजकीय महाविद्यालय शामिल हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनने से ये शैक्षणिक संस्थान छात्र-छात्राओं के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के उन युवा उद्यमियों के लिये वरदान साबित होंगे, जो स्टार्ट-अप तथा उद्यमिता के क्षेत्र में हट कर काम करना चाहते हैं। इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से प्रदेश में अगले पांच वर्षों में 100 स्टार्टअप्स के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया है। सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश के युवाओं को तकनीकी एवं सॉफ्ट स्किल्स के साथ प्रशिक्षित एवं शिक्षित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में उच्च विभाग के अंतर्गत भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई) का संचालन किया जा रहा है। जिसका मकसद उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं को उद्यमशीलता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। डा. रावत ने बताया कि योजना के तहत सरकार ने प्रदेशभर के 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर चुना है जो एग्री-फूड प्रोसेसिंग, आयुष एंड वेलनेस, टूरिज्म, लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, बायोटेक्नोलॉजी, एजुकेशन टेक एवं महिला उद्यमिता सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक हब के रूप में काम करेंगे। इन चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत, टनकपुर, नई टिहरी, रूद्रपुर, उत्तरकाशी, हल्द्वानी एवं राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी सहित श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का ऋषिकेश परिसर, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का पिथौरागढ़ परिसर व दून विश्वविद्यालय परिसर शामिल है। विभागीय मंत्री ने बताया कि इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से अगले पांच वर्षों में प्रदेशभर में 100 स्टार्टअप्स विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध करने, स्टार्टअप तैयार करने व युवाओं में उद्यमिता की भावना को विकसित करने में ये सेंटर आफ एक्सलेंस मील का पत्थर साबित होंगे। उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 10 उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सलेंस बनाया जायेगा। चयनित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को आर्थिक सहायता के तौर पर रूपये पांच लाख दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अपने आस-पास के कॉलेजों में कम से कम 5 स्टॉक बनायेंगे और संसाधनों के आपसी उपयोग के माध्यम से उद्यमिता विकास में सहायक बनेंगे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त संस्थान नए स्टार्टअप्स को फंडिंग और अन्य सहायता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों के माध्यम से छात्रों को अगले पांच वर्षों में 25 पेटेंट/कॉपीराइट दाखिल करने में मदद करने का भी लक्ष्य रखा गया है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में 50 व्यवसाय और स्टार्टअप सलाहकारों का एक समूह बनाएंगे तथा प्राथमिक धरण प्राप्त कर चुके स्टार्ट-अप और मौजूदा उद्यमों के लिए बाजार संपर्क को भी सुगम बनायेंगे। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत राज्य के दस उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिये जाने पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने खुशी जाहिर की।

Seed fund is a testament to our commitment to building a robust entrepreneurial ecosystem in state : Dr. Dhan Singh Rawat

Dehradun, Sept 10 (HTNS): In a significant stride towards fostering innovation and self-reliance among the youth, the Higher Education Department has announced the selection of 20 student entrepreneurs for the Devbhoomi Udyamita Yojana Startup Seed Fund. Each student will receive Rs.75,000 to bring their entrepreneurial dreams to life.

The initiative, launched to encourage self-employment and creativity, witnessed an overwhelming response, with over 600 applications pouring in from across the state's higher education institutions. After a rigorous selection process, 20 exceptional students, including 11 girls and 9 boys, were chosen for their innovative business ideas. Their proposals range from millet-based bakeries, Pahadi Pithiya, and natural honey production to Kandali chutney, scented candles, and organic cosmetic products.

Uttarakhand Minister of Higher Education, Dr. Dhan Singh Rawat, congratulated the winners, emphasizing the importance of nurturing young talent. "This seed fund aims to empower students by providing the financial support they need to launch and grow their startups. It is a testament to our commitment to building a robust entrepreneurial ecosystem in the state," said Dr. Rawat.

The selected students' ideas not only highlight their creativity but also hold the potential to boost local industries and sustainability. Ventures such as making decorative items from waste materials and producing natural, organic products show promise for both economic and environmental impact.

Dr. Ranjit Kumar Sinha, Secretary of Higher Education, expressed his pride in the students, noting that the seed fund would fuel their courage to turn their ideas into reality, paving the way for future entrepreneurial ventures. Dr. Deepak Kumar Pandey, Assistant Director and State Nodal Officer of the scheme, added, "This initiative offers students the unique opportunity to ground their innovative ideas while sharing their journey with peers, creating a ripple effect of inspiration and learning."

Dr. Amit Kumar Dwivedi, Project Director of the Devbhoomi Udyamita Yojana, and Prof. at Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad, highlighted the long-term support these budding entrepreneurs will receive. "Through continuous guidance and mentoring, we aim to ensure that these students not only start their entrepreneurial journey but thrive as successful business leaders," he said.

With such impactful initiatives, the Devbhoomi Udyamita Yojana is setting the stage for a new wave of student-led startups, strengthening the state's future economy and fostering a culture of innovation and entrepreneurship.

20 Young Innovators selected for Rs 75,000 Seed Fund under Devbhoomi Udyamita Yojana

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 10 Sep: In a significant stride towards fostering innovation and self-reliance among the youth, the Higher Education Department has announced the selection of 20 student entrepreneurs for the prestigious Devbhoomi Udyamita Yojana Startup Seed Fund. Each student will receive Rs 75,000 to bring their entrepreneurial dreams to life.

The initiative, launched to encourage self-employment and creativity, witnessed an overwhelming response, with over 600 applications pouring in from across the state's higher education institutions. After a rigorous selection process, 20 exceptional students, including 11 girls and 9 boys, were chosen for their innovative business ideas. Their proposals range from millet-based bakeries, Pahadi Pithiya, and natural honey production to Kandali chutney, scented candles, and organic cosmetic products.

Minister of Higher Education, Dr Dhan Singh Rawat, congratulated the winners, emphasised the importance of nurturing young talent. "This seed fund aims to empower students by providing the financial support they need to launch and grow their startups. It is a testament to our commitment to building a robust entrepreneurial ecosystem in the state," said Dr Rawat.

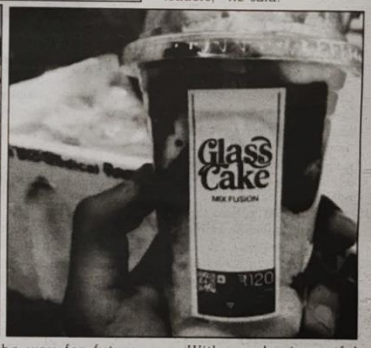

The selected students' ideas not only highlight their creativity but also hold the potential to boost local industries and sustainability. Ventures such as making decorative items from waste materials and producing natural, organic products show promise for both economic and environmental impact.

Dr Ranjit Kumar Sinha, Secretary of Higher Education, expressed his pride in the students, noting that the seed fund would fuel their courage to turn their ideas into reality, paving the way for future entrepreneurial ventures. Dr Deepak Kumar Pandey, Assistant Director and State Nodal Officer of the scheme, added, "This initiative offers students the unique opportunity to ground their innovative ideas while sharing their journey with peers, creating a ripple effect of inspiration and learning."

Dr Amit Kumar Dwivedi, Project Director of the Devbhoomi Udyamita Yojana, and Professor at Entrepreneurship Development Institute of India, Ahmedabad, highlighted the long-term support these budding entrepreneurs will receive. "Through continuous guidance and mentoring, we aim to ensure that these students not only start their entrepreneurial journey but thrive as successful business leaders," he said.

With such impactful initiatives, the Devbhoomi Udyamita Yojana is setting the stage for a new wave of student-led startups, strengthening the state's future economy and fostering a culture of innovation and entrepreneurship.

11/09

20 छात्रों को स्टार्टअप सीड फंड के लिए चुना

देहरादून (एसएनबी)। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आज उच्च शिक्षा विभाग ने उन 20 छात्रों और उनके समूहों की सूची जारी की जिन्हें 75000 रुपये के स्टार्टअप सीड फंड के लिए चुना गया है। नवाचार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई इस पहल के तहत प्रत्येक चयनित छात्र को अपने व्यावसायिक विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए 75,000 का सीड फंड दिये जाने का प्रावधान है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस सीड फंड का उद्देश्य छात्रों को उनके स्टार्टअप स्थापित करने और विकसित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। स्टार्टअप सीड फंड पाने वाले 20 छात्रों में से 11 छात्राएं और 9 छात्र हैं। चयनित छात्रों ने मिलेट आधारित बेकरी, पहाड़ी पिठिया, प्राकृतिक शहद का उत्पादन, कंडाली चटनी और कंडाली चाय, बेकार पड़े सामानों से सजावटी

■ अभिनव स्टार्टअप शुरू करने के लिए मिलेगा सीड फंड : डॉ. धन सिंह रावत

सामानों का निर्माण, सुगंधित मोमबत्तियां और अर्गेनिक कॉस्मेटिक उत्पाद आदि आइडिया प्रस्तुत किए थे। बता दें कि पूर्व में स्टार्टअप सीड फंड के लिए राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों और युवाओं से उनके अभिनव आइडिया पर आवेदन मांगे गए थे। सीड फंड के लिए 600 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से विभिन्न मानदंडों और प्रक्रियाओं से गुजरते हुए असाधारण रचनात्मकता और व्यावसायिक क्षमता का प्रदर्शन करने वाले 20 छात्रों का चयन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। अब इन छात्रों को अपने अभिनव स्टार्टअप शुरू करने के लिए एकमुश्त रकम प्रदान की जाएगी। सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि इससे छात्रों में अपने आइडियाज को वास्तविकता में बदलने का जो साहस पैदा होगा वह उनके भविष्य के उद्यमिता अभियानों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा एवं राज्य नोडल अधिकारी, देवभूमि उद्यमिता योजना डॉ. दीपक कुमार पांडेय ने कहा कि सीड फंड राज्य के उद्यमी मानसिकता के छात्रों में उनकी योजना को धरातल पर उतारने का एक मौका प्रदान करता है। इससे न सिर्फ ये बीस छात्र अपने आइडियाज को टेस्ट कर पाएंगे बल्कि अपने आस-पास के छात्रों को अपने अनुभवों से लाभान्वित करेंगे। देवभूमि उद्यमिता योजना के परियोजना निदेशक डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने कहा कि छात्रों में उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने के लिए पूरे राज्य में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा देवभूमि उद्यमिता योजना संचालित की जा रही है जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा राज्य में क्रियान्वित किया जा रहा है।

सीड फंड के लिए 20 छात्र-छात्राओं का चयन

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हुआ चयन, मिलेगी वित्तीय मदद

देहरादून। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 20 स्टार्टअप विचार का 75 हजार के सीड फंड के लिए चयन किया गया। इसके लिए 600 से अधिक आवेदन आए थे। इसमें 20 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि इस सीड फंड का उद्देश्य छात्रों को उनके स्टार्टअप स्थापित करने के समय वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है। इसमें 11 छात्राओं व नौ छात्रों का चयन हुआ है। इन्होंने मिलेट आधारित बेकरी, पहाड़ी पिठिया, प्राकृतिक शहद का उत्पादन, कंडाली चटनी-कंडाली चाय, बेकार पड़े सामानों से सजावटी सामानों का निर्माण, सुगंधित मोमबत्तियां और ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक उत्पाद आदि विचार दिए। चयनित छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने के लिए एकमुश्त रकम दी जाएगी। संवाद

उद्यमी बनने की राह पर राजकीय महाविद्यालयों के छात्र

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में स्टार्टअप सीड फंड के लिए 20 युवा चयनित, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए शीघ्र होगा चयन
- प्राकृतिक शहद, कंडाली चटनी और चाय समेत राज्य के उत्पादों से स्टार्टअप की स्थापना में रुचि ले रहे हैं युवा

राज्य ब्यूरो, जागरण। देहरादून: प्रदेश में राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं उद्यमी बनने में रुचि ले रहे हैं। स्वरोजगार विशेष रूप से उद्यम लगाने के प्रति बढ़ती उत्कंठा के पीछे देवभूमि उद्यमिता योजना के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों का बड़ा योगदान है। राज्य के उत्पादों प्राकृतिक शहद, पहाड़ी पिठिया, बेकरी, कंडाली चटनी और चाय, बेकार पड़े सामान से सजावटी सामान, आर्गेनिक कास्मेटिक जैसे राज्य के उत्पादों से जुड़े स्टार्टअप में इन युवाओं ने रुझान दिखाया है। ऐसे 20 छात्र-छात्राओं के स्टार्टअप का चयन सीड फंड के लिए किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए अन्य 20 युवाओं का चयन शीघ्र किया जाएगा।

उच्च शिक्षा में देवभूमि उद्यमिता योजना प्रारंभ होने के बाद राजकीय महाविद्यालयों में उद्यमों व स्टार्टअप को लेकर छात्र-छात्राओं की सोच में परिवर्तन दिखने लगा है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से यह योजना संचालित की जा रही है। अब 100 से अधिक राजकीय महाविद्यालयों में दो दिवसीय शिविर लग चुके हैं। 13 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को उद्यमिता विकास की जानकारी दी जा चुकी है। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष स्टार्टअप सीड फंड के लिए 20 छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए स्टार्टअप सीड फंड के लिए राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों और युवाओं से उनके अभिनव आइडिया को लेकर आवेदन मांगे गए थे। सीड फंड के लिए 600 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 20 विद्यार्थी चुने गए। चयनित प्रत्येक विद्यार्थी को 75 हजार रुपये बतौर सीड फंड मिलेंगे। स्टार्टअप शुरू करने के लिए यह राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

उच्च शिक्षा सचिव डा रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि कुल चयनित छात्र-छात्राओं में 11 कुमाऊं मंडल और नौ गढ़वाल मंडल से हैं। पर्वतीय क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं भी स्टार्टअप में बड़ी रुचि ले रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी स्टार्टअप के लिए सीड फंड देने के लिए प्रस्ताव शीघ्र आमंत्रित किए जाएंगे। राजकीय महाविद्यालयों में युवाओं में उद्यमिता का आकर्षण जितना बढ़ेगा, राज्य की आर्थिकी को उतना लाभ मिलेगा।

स्टार्टअप सीड फंड के लिए 20 विद्यार्थी चयनित

देहरादून : देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग ने ऐसे 20 छात्रों और उनके समूहों की सूची जारी की, जिन्हें 75 हजार रुपये के स्टार्टअप सीड फंड के लिए चुना गया है। इनमें 11 छात्राएं और नौ छात्र हैं। चयनित छात्रों ने मिलेट आधारित बेकरी, पहाड़ी पिठिया, प्राकृतिक शहद का उत्पादन, कंडाली चटनी आदि उत्पाद पर विचार रखे थे। (राब्यू)

बीस स्टार्टअप को मिलेंगे 75-75 हजार रुपये

देहरादून। प्रदेश के 20 युवाओं को उनके स्टॉर्टअप के विस्तार के लिए उच्च शिक्षा विभाग देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 75-75 हजार रुपये का स्टार्टअप सीड फंड देगा। योजना के तहत 11 छात्राएं और 09 छात्रों को चुना गया है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने चुने गए छात्रों को बधाई दी।

मंगलवार को उच्च शिक्षा विभाग ने चयनित छात्रों की सूची जारी की। इन छात्रों ने मिलेट आधारित बेकरी, पहाड़ी पिठिया, प्राकृतिक शहद का उत्पादन, कंडाली चंटनी और कंडाली चाय, बेकार पड़े सामानों से सजावटी सामानों का निर्माण, सुगंधित मोमबत्तियां और ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक उत्पाद से जुड़े प्रोजेक्ट दिए थे।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम में मान्या राजपाल का चयन

ऋषिकेश। श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पं. ललित मोहन शर्मा परिसर की एम कॉम छात्रा मान्या राजपाल का चयन देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उनके नवोन्मेषी व्यावसायिक विचार बेलनेस और आध्यात्मिकता केंद्र के लिए किया गया है। छात्रा को 75,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

केंद्र की निदेशक प्रो. अनीता तोमर ने कहा कि मान्या ने अपने व्यावसायिक विचार में विशेषज्ञ समिति को गहराई से प्रभावित किया है। कुलपति प्रो. एनके जोशी, परिसर निदेशक प्रो. एमएस. रावत और वाणिज्य संकाय अध्यक्ष प्रो. कंचन लता ने छात्रा को शुभकामनाएं दीं। संवाद

पाण्डेय, रवि कुमार आदि रहे।

दीपक को प्रोत्साहन राशि हुई आवंटित

चौखुटिया। सिमलखेत के पुरा लोहबा निवासी व गोपाल बाबू गोस्वामी राजकीय महाविद्यालय के छात्र दीपक सिंह नेगी को उद्यमिता विकास योजना के तहत उच्च शिक्षा विभाग की ओर से स्टार्टअप सीड फंड के तहत खाद्य प्रसंस्करण इकाई के लिए 75 हजार की प्रोत्साहन राशि आवंटित की गई है। इस पर नोडल अधिकारी डॉ. जोगेंद्र चन्याल, प्राचार्य डॉ. सबिता पांडे, डॉ. प्रभाकर ध्यानी, डॉ. योगिता टम्टा, हेम काण्डपाल, गिरधर बिष्ट आदि ने खुशी जताई है।

सेलेक्ट हुआ साधना रतूड़ी का बिजनेस आइडिया

बीएससी की छात्रा का आइडिया सीड फंड के लिए सेलेक्ट

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (14 Sep): इंडियन एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से चल रही देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उत्तराखंड के कई हाई एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में उद्यमिता विकास कार्यक्रम जारी हैं. इसी कड़ी में राजकीय महाविद्यालय दून शहर की बीएससी छठे सेमेस्टर की स्टूडेंट साधना रतूड़ी के बिजनेस आइडिया को 75,000 रुपये के स्टार्टअप सीड फंड की राशि के लिए सेलेक्ट किया गया है. साधना की इस उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो. डीएस मेहरा ने साधना को शुभकामनाएं दीं. महाविद्यालय की देवभूमि उद्यमिता योजना की नोडल अधिकारी डॉ. नीतू बलूनी ने बताया कि 600 प्रतिभागियों में से 20 बेहतरीन बिजनेस आइडियाज का सेलेक्शन हुआ, जिसमें साधना का नाम भी शामिल है.

कंडाली प्रोडक्ट्स को सराहा

साधना रतूड़ी के बनाये प्रोडक्ट्स जैसे कंडाली की चाय और चटनी को स्टेट लेवल पर काफी सराहा गया है. इन प्रोडक्ट्स को टेस्ट और हेल्थ का बेहतरीन मेल माना जा रहा है. महाविद्यालय ने साधना की इस सफलता पर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की. महाविद्यालय की देवभूमि उद्यमिता योजना की नोडल अधिकारी डॉ. नीतू बलूनी ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, योजना के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक पांडे और ईडीआईआई अहमदाबाद की टीम का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि इस योजना ने उत्तराखंड के स्टूडेंट्स को अपनी प्रतिभा दिखाने और इंडिपेंडेंट बनने का एक महत्वपूर्ण मंच मिल रहा है.

गवर्नमेंट पीजी कॉलेज उत्तरकाशी के आशीष और रेखा के आइडिया बनेगा स्टार्टअप

Tirth Chetna September 13, 2024 0 शिक्षा

Spread the love

Post Views: 994

तीर्थ चेतना न्यूज

उत्तरकाशी। गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, उत्तरकाशी के छात्र आशीष कैतुरा औ रेखा के उद्यमिता से संबंधित आइडिया को स्टार्टअप के रूप में विकसित हेतु चुना गया है।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा निदेशालय उत्तराखंड तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्त्वाधान में संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी के आशीष कैतुरा और रेखा को उनके यूनिक आइडिया को स्टार्टअप करने हेतु 75 हजार रूपये की सीड फंड धनराशि मिली है।

विगत वर्ष से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,अहमदाबाद द्वारा उत्तराखंड के सभी महाविद्यालयों में देवभूमि उद्यमिता योजना को इस उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है कि छात्र-छात्राओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ उनका उद्यमिता विकास तथा तथा स्टार्टअप जानकारी तथा बारीकियां भी समझाई जा सके ।

Search

Type Here

Latest Post

उत्तराखंड में हो रहे संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्द्धन के प्रयास- धामी

September 15, 2024

दीपक रावत और अजय जोशी के नाम रहा एक दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट

September 15, 2024

शिक्षकों का आमरण अनशन जारी, समर्थन देने पहुंचे पूर्व

भूजल का संरक्षण
धान की सीधी बुआई (डीएसआर) के तहत 28% से अधिक क्षेत्रफल बढ़ा।
15914 खालों को बहाल किया और टेल-एंड तक नेहरी पानी पहुँचाया गया।
भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

पलायन रोकने के लिए युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ेगी सरकार की यह योजना, 18000 से अधिक लोगों ने कराया पंजीकरण

Devbhoomi Udyamita Yojana: उत्तराखंड सरकार द्वारा युवाओं के भीतर स्वरोजगार पैदा करने के लिए 'देवभूमि उद्यमिता योजना' चल ...अधिक पढ़ें

- NEWS18 UTTARAKHAND
- LAST UPDATED : SEPTEMBER 16, 2024, 08:28 IST

Join our Channel

देहरादून: उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में युवाओं के भीतर स्वरोजगार की भावना पैदा करने की तैयारी की जा रही है. इसका बीड़ा प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने मिलकर उठाया है. 'देवभूमि उद्यमिता योजना' के जरिए राज्य में युवाओं को उद्यमशीलता कौशल विकास और स्वरोजगार के गुर सिखाना है. योजना का उद्देश्य युवाओं की क्षमता और कौशल में सुधार करना और उन्हें सफल उद्यमी बनाने के लिए सहायता प्रदान करना है. इसके लिए राज्य भर के सरकारी कॉलेजों में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोले गए हैं. लोकल18 ने देवभूमि उद्यमिता योजना के बारे में और उससे होने वाले लाभों के बारे में जानने की कोशिश की.

क्या है देवभूमि उद्यमिता योजना?

उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान(ईडीआईआई) ने मिलकर राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया है. जिसके लिए प्रदेशभर में 124 केंद्र खोले गए हैं, जिनमें से 10 उत्कृष्ट केंद्र हैं. पंजीकृत युवाओं को बूथ कैंप के जरिए बिजनेस की बारीकियों के गुर सिखाएं जा रहे हैं. जहां 185 फैकल्टी मेंटर प्रशिक्षित किए गए हैं.

गौरतलब है कि 18,126 छात्रों ने इस योजना में अपना पंजीकरण करवाया हुआ है. खास बात यह है कि अभी तक 243 पंजीकृत छात्रों ने स्वरोजगार पर काम करना शुरू कर दिया है. गौरतलब है कि यह कार्यक्रम पूरी तरह से नि:शुल्क करवाया जाता है.